भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 1288
उत्तर दिनांक 30/07/2026 को दिया गया

पीएफबीआर की स्थिति और कमीशनिंग

1288. डा. एम. धनपाल

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) पहली बार क्रिटिकैलिटी प्राप्त करने के बाद तमिलनाडु के कलपक्कम में 500 एमडब्ल्यूई प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस परियोजना से संबद्ध कमीशनिंग गतिविधियों, सुरक्षा सत्यापन और विनियामक मंजूरियों की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) देश के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण में पीएफबीआर प्रौद्योगिकी के योगदान के संबंध में सरकार की समुक्तियां क्या हैं; और

(घ) इस सुविधा से व्यावसायिक बिजली उत्पादन समयबद्ध रूप से प्रारंभ सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित पहल क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) 500 मेगावाट प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) की प्रथम क्रांतिकता प्राप्त किए जाने की उपलब्धि के बाद, डिजाइन मानदंडों के सत्यापन के लिए निम्न-शक्ति भौतिकी प्रयोग प्रगति पर हैं। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से शक्ति स्तर में वृद्धि की जाएगी जिससे रिएक्टर को विद्युत ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज़ेशन और आगे के विद्‌युत प्रचालन की गतिविधियां प्रारंभ की जाएगी।

(ख) संयंत्र प्रबंधन द्वारा कमीशनन गतिविधियों और संरक्षा सत्यापन पर नियमित समीक्षा की जा रही है। प्रमुख कमीशनन गतिविधियाँ आरंभ करने से पहले, बहु-स्तरीय नियामक समीक्षा की जाती है और परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) से चरणबद्ध रूप में नियामक अनुमति प्राप्त की जाती है। इसके अलावा, एईआरबी द्वारा प्रत्येक तिमाही में नियामक निरीक्षण किया जा रहा है।

(ग) पीएफबीआर देश के त्रि-चरणीय नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम के दूसरे चरण का अग्रदूत है। पीएफबीआर के प्रत्येक चरण में प्राप्त अनुभव द्रुत प्रजनक रिएक्टर (एफबीआर) कार्यक्रम के सुचारू विस्तार में सहायक होंगे।

(घ) परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनि) संयंत्र प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर अभिकल्पकर्ताओं के साथ दैनिक और साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित करता है ताकि इस सुविधा से वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन समयबद्ध रूप से प्रारंभ किया जा सके।

*****